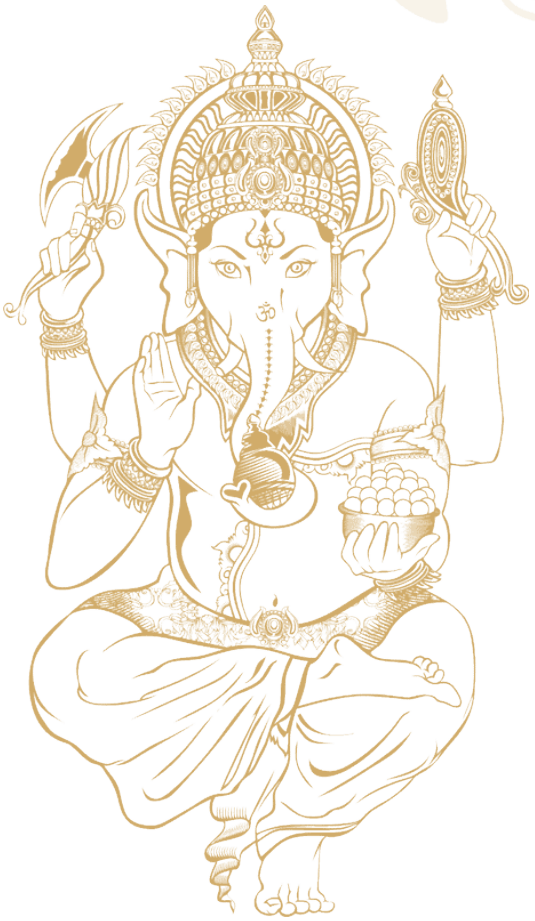

F

02 Sep 1998

11:48 PM

Nawashahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121386907

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/09/1998**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**23:48:00 घंटे**
इष्ट	44:25:31 घटी
स्थान	**Nawashahr**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	76:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:22:36 घंटे
वेलान्तर	00:00:12 घंटे
साम्पातिक काल	22:09:23 घंटे
सूर्योदय	06:01:47 घंटे
सूर्यास्त	18:47:59 घंटे
दिनमान	12:46:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	16:14:21 सिंह
लग्न के अंश	24:18:27 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरव
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:18:27	354:50:48	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			सिंह	16:14:21	00:58:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	27:44:35	13:18:03	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			कर्क	14:27:48	00:38:10	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध			कर्क	28:22:39	01:13:42	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	00:57:34	00:07:28	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	स्वराशि
शुक्र			सिंह	01:10:08	01:14:00	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	09:30:41	00:01:51	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु			सिंह	07:37:48	00:01:06	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	07:37:48	00:01:06	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:47:23	00:01:57	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	05:56:21	00:01:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:32:42	00:00:35	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	06:25:28	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:11

लग्न-चलित

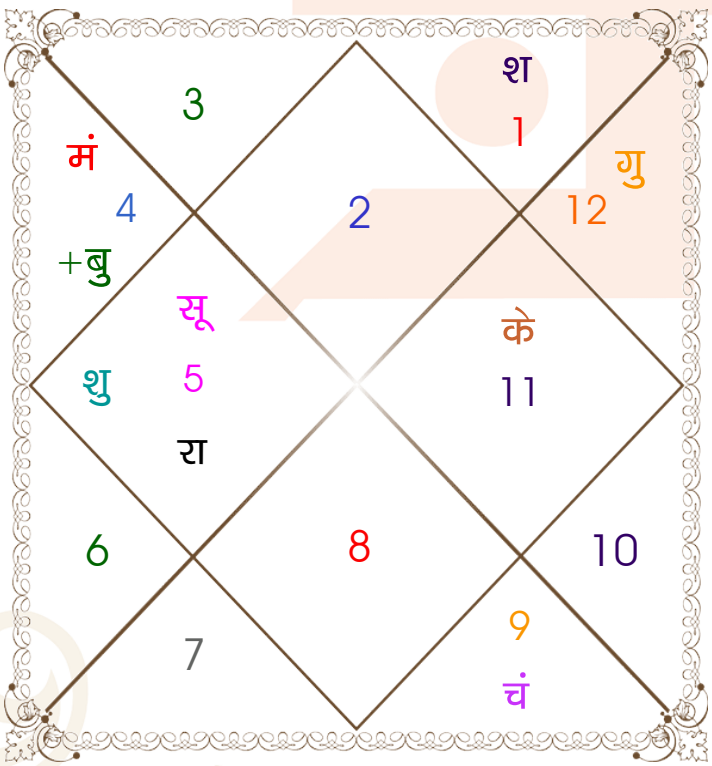

चन्द्र कुंडली

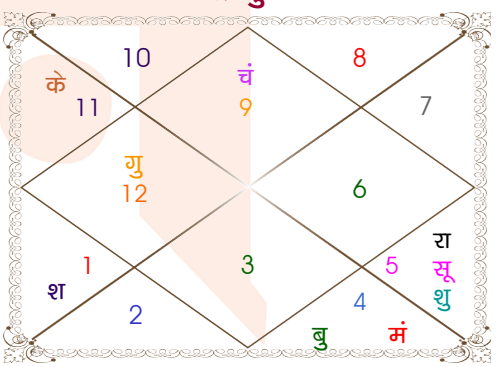

नवमांश कुंडली

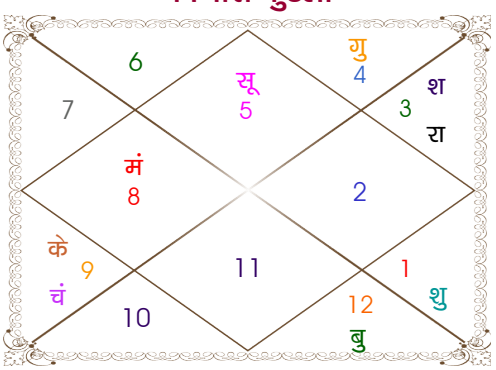

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 6 मास 5 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
02/09/1998		09/03/2004		10/03/2014		09/03/2021		10/03/2039	
09/03/2004		10/03/2014		09/03/2021		10/03/2039		10/03/2055	
	02/09/1998	चंद्र	07/01/2005	मंगल	06/08/2014	राहु	21/11/2023	गुरु	27/04/2041
चंद्र	27/12/1998	मंगल	09/08/2005	राहु	24/08/2015	गुरु	15/04/2026	शनि	08/11/2043
मंगल	04/05/1999	राहु	07/02/2007	गुरु	30/07/2016	शनि	19/02/2029	बुध	13/02/2046
राहु	27/03/2000	गुरु	08/06/2008	शनि	08/09/2017	बुध	08/09/2031	केतु	20/01/2047
गुरु	14/01/2001	शनि	08/01/2010	बुध	05/09/2018	केतु	26/09/2032	शुक्र	20/09/2049
शनि	27/12/2001	बुध	09/06/2011	केतु	01/02/2019	शुक्र	27/09/2035	सूर्य	09/07/2050
बुध	02/11/2002	केतु	08/01/2012	शुक्र	02/04/2020	सूर्य	20/08/2036	चंद्र	08/11/2051
केतु	10/03/2003	शुक्र	08/09/2013	सूर्य	08/08/2020	चंद्र	19/02/2038	मंगल	14/10/2052
शुक्र	09/03/2004	सूर्य	10/03/2014	चंद्र	09/03/2021	मंगल	10/03/2039	राहु	10/03/2055

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/03/2055		10/03/2074		10/03/2091		10/03/2098		11/03/2118	
10/03/2074		10/03/2091		10/03/2098		11/03/2118		00/00/0000	
शनि	13/03/2058	बुध	05/08/2076	केतु	06/08/2091	शुक्र	10/07/2101	सूर्य	28/06/2118
बुध	20/11/2060	केतु	02/08/2077	शुक्र	05/10/2092	सूर्य	10/07/2102	चंद्र	03/09/2118
केतु	30/12/2061	शुक्र	02/06/2080	सूर्य	10/02/2093	चंद्र	10/03/2104		00/00/0000
शुक्र	28/02/2065	सूर्य	09/04/2081	चंद्र	11/09/2093	मंगल	10/05/2105		00/00/0000
सूर्य	10/02/2066	चंद्र	08/09/2082	मंगल	07/02/2094	राहु	10/05/2108		00/00/0000
चंद्र	11/09/2067	मंगल	05/09/2083	राहु	26/02/2095	गुरु	09/01/2111		00/00/0000
मंगल	20/10/2068	राहु	25/03/2086	गुरु	02/02/2096	शनि	11/03/2114		00/00/0000
राहु	27/08/2071	गुरु	30/06/2088	शनि	12/03/2097	बुध	08/01/2117		00/00/0000
गुरु	10/03/2074	शनि	10/03/2091	बुध	10/03/2098	केतु	11/03/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 6 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।